शोध के लिए फंड की कमी नहीं

एमएमएमयूटी में आयोजित संगोष्ठी में बोले केंद्रीय मंत्री कलराज मिश्र

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर।

ऊर्जा का सभी क्षेत्रों में महत्व है। आज जीने के लिए हमें पानी, हवा, ऊर्जा और स्वच्छ भोजन की जरूरत है तो इसे पाने के लिए प्रयास भी हमें ही करने होंगे। परंपरागत उर्जा के स्त्रोत के रूप में सौर ऊर्जा, पवन चक्की के इस्तेमाल से पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता। आज कई देश इस दिशा में काम कर रहे हैं। भारत सरकार भी इसे बढ़ावा दे रही है।

उक्त बातें केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री कलराज मिश्र ने एमएमएमयूटी और इटली की संस्था ईएनईए के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन समारोह में कहीं। वह 'चैलेंजेज इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट फ्रॉम एनर्जी एंड इनवायरमेंट पासपेक्टिव' पर बोल रहे थे। विशिष्ट अतिथि पूर्वांचल यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. पीआर अग्रवाल ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है, जहां ऊर्जा का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है, लेकिन यह चिंताजनक है कि इससे फैलने वाले पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा सके हैं। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. ओकार सिंह ने की।

ईएनईए के प्रतिनिधि डॉ वीके शर्मा और डॉ जी ब्रैशियों ने कहा कि विकास की अंधी दौड़ में लोग पर्यावरण संरक्षण को भूल चुके हैं। इसे हर शख्स तक पहुंचाना ही इस करार का मकसद है। कुलपति ने मुख्य अतिथि को बुके और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस दौरान संगोष्ठी की स्मारिका का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में विशेषज्ञों का व्याख्यान हुआ।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का केंद्रीय मंत्री कलराज मिश्र ने उद्घाटन किया।

सौर ऊजा प्लांट का हुआ उद्घाटन

संगोष्ठी में शिरकत करने से पहले मंत्री कलराज मिश्र ने परिसर में लगे 100 किलोवाट के सौर ऊर्जा प्लांट का शुभारंभ किया। करीब एक करोड़ की लागत से बने इस प्लांट की ऊर्जा का इस्तेमाल कुलपति कार्यालय में किया जाएगा। इसके शुरू होने से एक महीने में होने वाले विद्युत खर्च में करीब पांच फीसदी की कटौती होगी। कुलपति ने बताया कि आगे भी सोलर पैनल लगाए जाएंगे।

गीत-संगीत की महफिल में थिरके मालवीयंस

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर।

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक उत्सव अभिव्यक्ति का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इसमें सुबह से लेकर देर शाम तक गीत-संगीत की महफिल में मालवीयंस थिरकते रहे। वहीं युवाओं के बीच पार्श्वगायक गजेंद्र वर्मा के गीतों ने पूरे माहौल को खुशनुमा बना दिया। हर एक प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट से मालवीयंस ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

कल्चरल ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में एमएमएमयूटी के साथ बाहर से आए हुए कलाकारों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। एक से बढ़कर एक प्रदर्शन पर सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस दौरान प्रो. डीके द्विवेदी, प्रो. केजी उपाध्याय, डॉ. दिवाकर यादव, प्रो. उदय शंकर, प्रो. राकेश कुमार, मेजर जीएस त्रिपाठी, डॉ. पूजा लोहिया, डॉ. अभिजीत मिश्रा आदि मौजूद थे।

अभिव्यक्ति कार्यक्रम के दौरान नृत्य प्रस्तुत करती छात्रा।